

प्रेषक,

सी०एम०एस० बिष्ट,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,

हरिद्वार एवं नैनीताल,

उत्तराखण्ड।

पशुपालन अनुभाग- 02

देहरादून, दिनांक ०८, अक्टूबर, 2013:

विषय:-चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए मत्स्य विभाग की जलाशयों का विकास (प्राकृतिक जलस्रोतों में मात्स्यिकी संरक्षण एवं संवर्द्धन) योजनान्तर्गत वित्तीय स्वीकृति जारी किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक उप निदेशक, मत्स्य विभाग (प्रशा०) के पत्र संख्या-548/जलाशयों का विकास/2013-14, दिनांक 02-06-2013 के संदर्भ में एवं वित्त विभाग के शासनादेश सं०-284/XXVII(1)/2013, दिनांक 30-03-2013 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 में मत्स्य विभाग को जिला योजना अन्तर्गत जलाशयों का विकास योजना हेतु मदवार कुल धनराशि जनपदों के सम्मुख अंकित ₹ 2.80 लाख (₹ दो लाख अस्सी हजार मात्र) आपके निर्वर्तन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

आयोजनागत

धनराशि (लाख ₹ में)

क्र० सं०	जनपद	धनराशि	आहरण वितरण अधिकारी
1.	हरिद्वार	1.45	सहायक निदेशक, मत्स्य, हरिद्वार
2.	नैनीताल	1.35	सहायक निदेशक, मत्स्य, हल्द्वानी भीमताल (नैनीताल)
	कुल योग :-	2.80	

(₹ दो लाख अस्सी हजार मात्र)

- उक्त जनपदवार निर्गत स्वीकृति सम्बन्धित सहायक निदेशक, मत्स्य के नियंत्रण में व्यय हेतु प्रादिष्टि करना सुनिश्चित करें तथा धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मितव्ययता संबंधी निर्देशों का पालन करते हुए स्वीकृत परिव्यय के अनुरूप व्यय किया जायेगा।
- बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह की 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-8 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
- अवमुक्त की जा रही धनराशि का दिनांक 31-3-2014 तक उपयोग कर उपयोगिता प्रमाणक, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति सहित उपलब्ध कराई जायेगी।
- इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याक्षा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों एवं कय संबंधी

शासनादेशों का पालन किया जायेगा। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।
5. विभिन्न मदों में व्ययभार/देयता सृजित होने पर यथाशीघ्र धनराशि आहरित कर भुगतान की जायेगी एवं कोई भी भुगतान अनावश्यक लम्बित नहीं रखा जायेगा।

2- उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 में अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2405-मछली पालन-00-आयोगनागत-101-अन्तर्देशीय मछली पालन-9102-जलाशयों का विकास-42-अन्य व्यय के सुसंगत मानक मदों के अन्तर्गत वहन किया जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश दिनांक 28 मार्च, 2012 में निहित प्राविधानानुसार www.cts.uk.gov.in से साफ्टवेयर के माध्यम से निर्गत विशिष्ट एलाटमैन्ट आई0डी0 संख्या तथा वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-39 (P)/XXVII(1)/2013, दिनांक 10 जून, 2013 द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सी0एम0एस0 बिष्ट)
सचिव।

संख्या : 609(I)/XV-2/08(05)2007(मत्स्य) तददिनांक

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डालायुक्त, कुमायूँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
3. स्टाफ ऑफिसर-प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास विभाग को अवगत कराने हेतु।
4. निजी सचिव-मंत्री, मत्स्य विभाग को मा0 मंत्री जी को अवगत कराने हेतु।
5. निदेशक, मत्स्य विभाग, देहरादून, उत्तराखण्ड।
6. सहायक निदेशक, मत्स्य विभाग, हरिद्वार/नैनीताल, उत्तराखण्ड।
7. कोषाधिकारी, हरिद्वार, नैनीताल, उत्तराखण्ड।
8. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
9. निदेशक, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(वीरेन्द्र प्रसाद सिंह)
उप सचिव।